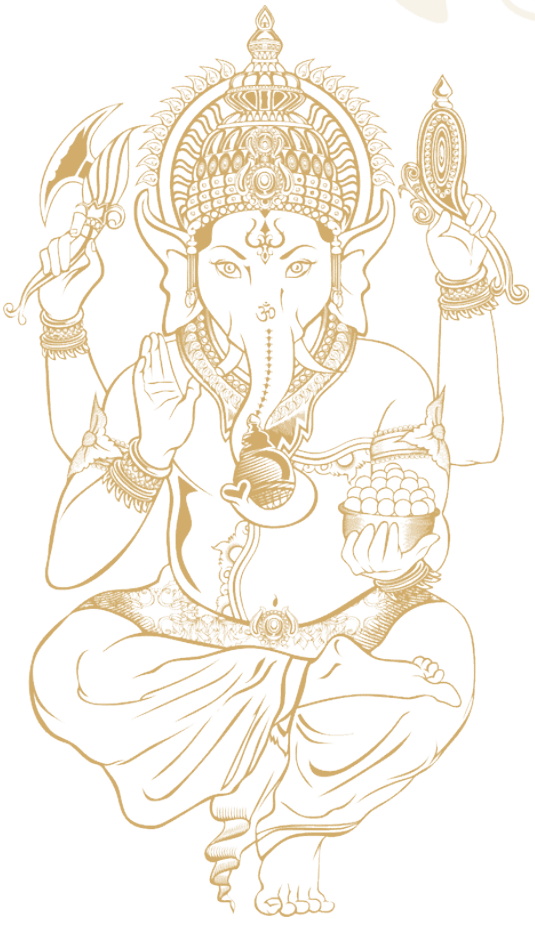

Avnish

Anamika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121128802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/07/1994	जन्म तिथि	26/11/1996
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 08:54:00	जन्म समय	23:20:00 घंटे
घटी 08:56:32	जन्म समय(घटी)	42:18:44 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:23	सूर्योदय	06:24:30
18:46:02	सूर्यास्त	17:03:10
23:47:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:50

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 11मा 19दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 3वर्ष 9मा 6दि
सूर्य	28:07:00	सिंह	लग्न	सिंह	06:42:38	गुरु
18/07/2025	12:00:49	कर्क	सूर्य	वृश्चि	10:56:47	03/09/2018
18/07/2031	26:53:12	मीन	चंद्र	वृष	29:29:20	03/09/2034
सूर्य 04/11/2025	23:45:02	वृष	मंगल	सिंह	20:35:26	गुरु 22/10/2020
चन्द्र 06/05/2026	26:30:16	मिथु	बुध	वृश्चि	24:36:45	शनि 05/05/2023
मंगल 11/09/2026	12:03:06	तुला	गुरु	धनु	23:39:16	बुध 10/08/2025
राहु 05/08/2027	26:04:36	सिंह	शुक्र	तुला	10:43:39	केतु 17/07/2026
गुरु 23/05/2028	17:35:47	कुंभ व	शनि व	मीन	06:50:11	शुक्र 17/03/2029
शनि 05/05/2029	26:47:19	तुला व	राहु व	कन्या	12:26:32	सूर्य 03/01/2030
बुध 12/03/2030	26:47:19	मेष व	केतु व	मीन	12:26:32	चन्द्र 05/05/2031
केतु 18/07/2030	00:06:05	मक व	हर्ष	मक	07:46:18	मंगल 10/04/2032
शुक्र 18/07/2031	27:47:28	धनु व	नेप	मक	01:52:16	राहु 03/09/2034
	01:30:31	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:15:00	

लग्न-चलित

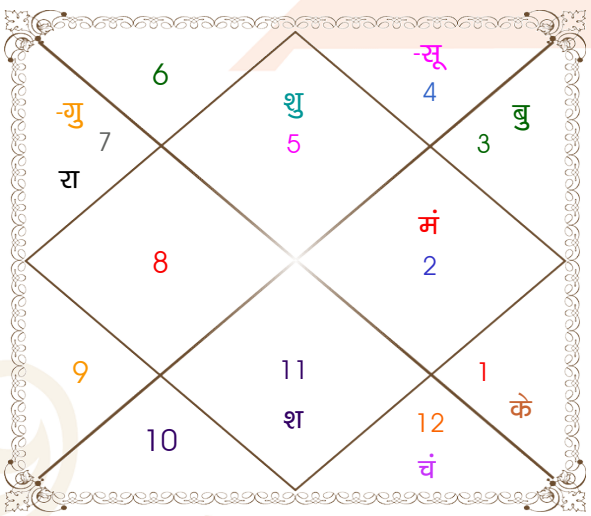

लग्न-चलित

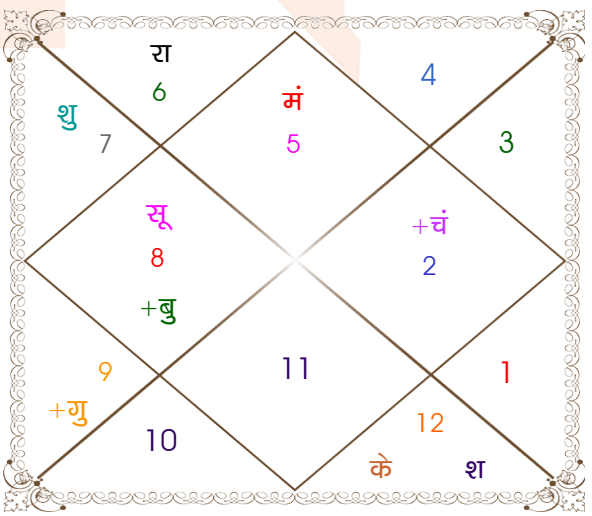

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Avnish का वर्ग सिंह है तथा ।दंउपां का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Avnish और ।दंउपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Avnish मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

।दंउपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Avnish कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Avnish तथा ।दंउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।